आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 20.05.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आयुर्वेद को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के लिये ठोस योजना तैयार करने पर जोर दिया।
- देहरादून में प्रस्तावित रिस्पना–बिंदाल एलिवेटेड रोड परियोजना से जुड़े विभागों के लिए आपदा कार्यालय में कॉमन वर्किंग एरिया बनाया गया।
- देहरादून नगर निगम के सभी वार्डों में कल से 9 जून तक यूसीसी के तहत विभिन्न श्रेणियों के पंजीकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।
- गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क, इन दिनों पर्यटकों से गुलजार। पार्क प्रशासन को अब तक 12 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

आयुष संवर्धन

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आयुर्वेद को आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के लिये ठोस योजना तैयार करने पर जोर दिया है। सचिवालय में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने प्रदेश के 25 आयुष और वेलनेस सेंटर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। इन केंद्रों में आयुर्वेद, होम्योपैथी, पंचकर्मा और योग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया। श्री बर्द्धन ने इन केंद्रों को पर्यटन से जोड़ने और पहले से संचालित आयुर्वेदिक अस्पतालों को अपग्रेड कर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की योजना पर भी विशेष बल दिया।
मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत निर्माणाधीन अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के कार्यों को तय समय–सीमा में पूरा करने और इन संस्थानों के लिए आवश्यक पदों के सृजन की प्रक्रिया को भी साथ में आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक समुचित योजना तैयार की जाए।

रिस्पना–बिंदाल एलिवेटेड रोड परियोजना

देहरादून में प्रस्तावित रिस्पना–बिंदाल एलिवेटेड रोड परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर परियोजना से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों और कार्मिकों के लिए आपदा कार्यालय में एक कॉमन वर्किंग एरिया बनाया गया है, जहां एक साथ समन्वय से कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। यह परियोजना राजधानी को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए अहम है। जिला प्रशासन भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, मुआवजा वितरण और फ्लाईओवर निर्माण जैसे सभी कार्यों में अहम भूमिका निभा रहा है। इस योजना से प्रभावित होने वालों के हितों को ध्यान में रखते हुए जमीन और परिवारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।
गौरतलब है कि रिस्पना एलिवेटेड रोड के लिए 44 दशमलव आठ–दो हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें 42 दशमलव छह–चार हेक्टेयर सरकारी और दो दशमलव एक–सात हेक्टेयर निजी भूमि है। इससे एक हजार एक सौ बीस संरचनाएं प्रभावित होंगी। आईआईटी रुड़की द्वारा हाइड्रोलॉजिकल मॉडल स्टडी पूरी कर ली गई है और यूटिलिटी सेवाओं के शिफ्टिंग के लिए विभागों से आगणन प्राप्त हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समन्वय के साथ तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं ताकि यह परियोजना जल्द से जल्द धरातल पर उतर सके।

प्रशिक्षण सम्पन्न

रुद्रप्रयाग जिले की ग्राम पंचायत कोट में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान रुद्रप्रयाग द्वारा आयोजित 12 दिवसीय हर्बल उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 33 महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को होममेड अगरबत्ती के साथ हर्बल धूप, तोरण, दीये, मूर्तियां आदि घरेलू उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें महिलाओं ने विशेष रूचि दिखाकर स्थानीय उत्पाद जैसे गुलाब, तुलसी ,पंया, सौम्या, बद्री गाय के गोबर, आदि से उत्पाद तैयार किये।

इस अवसर पर रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि ग्रामीण महिलायें पहाड़ की रीढ़ हैं और इस प्रकार के प्रशिक्षणों से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। उन्होनें प्रशिक्षण ले रहीं महिलाओं से लाइव डेमो भी करवाया जिसे देख उन्होनें खुशी जतायी। खंड विकास अधिकारी प्रवीण भट्ट ने कहा कि सरकार व राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की विभिन्न प्रकार की योजनायें चलायी जा रहीं है।

यूसीसी पंजीकरण शिविर

समान नागरिक संहिता—यूसीसी के तहत नगर निगम देहरादून क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों के पंजीकरण कार्य युद्धस्तर पर किए जाएंगे। इसके लिए कल से 9 जून तक नगर निगम के सभी वार्डों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने नगर निगम देहरादून के मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी को इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी नामित किया है। हर वार्ड में नामित पर्यवेक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि वे पंजीकरण शिविर के लिए कॉमन सर्विस सेंटर के साथ समन्वय कर स्थान निर्धारित करें और समय से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करें।

शिविरों में आने वाले लोगों को समय पर जानकारी देने के लिए प्रचार—प्रसार की व्यवस्था की जाएगी। हर शिविर स्थल पर बैनर और सूचना सामग्री लगाई जाएगी। साथ ही जन प्रतिनिधियों से भी सहयोग लेकर पंजीकरण तिथि और स्थान की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी।

गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क

उत्तरकाशी में गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क, इन दिनों पर्यटकों से गुलजार है। एक अप्रैल को पार्क के गेट खुलने के बाद से यहां लगातार पर्यटकों की आमद बढ़ रही है। नेलांग घाटी, गर्तांग गली, गौमुख ट्रैक और सात ताल जैसे लोकप्रिय स्थलों की ओर पर्यटक खींचे चले आ रहे हैं। अब तक गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क प्रशासन को 12 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हो चुका है। वहीं पार्क प्रशासन ने सभी पर्यटकों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। इसके अलावा किसी भी पर्यटक स्थल में प्रवेश से पहले उन्हें सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी निर्देशों से अवगत कराया जा रहा है, ताकि पर्यावरण की नाजुकता को बरकरार रखा जा सके। गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क के उप निदेशक हरीश नेगी ने बताया कि चारधाम यात्रा शुरु होने से एक माह पहले पार्क के सभी गेट खोल दिए थे। वर्तमान में ये पार्क पर्यटकों से गुलजार है और देश विदेशों के पर्यटकों से पार्क प्रशासन को अच्छी आय देखने को मिली है। उन्होंने पर्यटकों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है ।

समाज कल्याण

सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्तियों को मिले इसके लिए अधिकारी अपसी समन्वय व सकारात्मक सोच के साथ कार्य करें। यह बात समाज कल्याण योजना अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने रुद्रपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 95 ब्लॉक और 105 नगर निकायों में शीघ्र ही समाज कल्याण व अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ देने के लिए शिविरों का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने शिविरों के आयोजन से पहले सभी पात्र लोगों की सूची बनाकर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के लिए जनपद से ग्राम स्तर तक

पोस्टर, बैनर व अन्य माध्यमो से वृह्द प्रचार–प्रसार किया जाये, ताकि पात्र लोग योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। इसके अलावा उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पंजीकृत वादों पर त्वरित कार्यवाही करने के भी निर्देश पुलिस व जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिये।

श्री कर्णवाल ने बैठक से पहले रूद्रपुर में आश्रम पद्धति विद्यालय का निरीक्षण किया व जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र स्पीच थैरेपी एवं फिजीयो थैरेपी कक्ष का शुभारम्भ किया।